

Common Annual School Examination, 2018

Subject : Geography

Class : XI

Set I

Time : 3 Hrs.

M.M.: 70

सामान्य निर्देश :

- (1) प्रश्नों की संख्या 22 है।
- (2) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- (3) प्रश्न संख्या 1 से 7 तक अतिलघु उत्तरीय प्रश्न एक-एक अंक के हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 40 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
- (4) प्रश्न संख्या 8 से 13 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 3 अंकों का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 80-100 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
- (5) प्रश्न संख्या 14 से 20 तक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 150 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
- (6) प्रश्न संख्या 21 तथा 22 मानचित्र सम्बन्धी प्रश्न 5-5 अंक के हैं जो क्रमशः दिए गए मानचित्र पर भौगोलिक लक्षणों को पहचानने, स्थिति और नामांकन करने से सम्बन्धित हैं।
- (7) संसार और भारत के लिए गए रेखा-मानचित्रों को अपने उत्तर-पुस्तिका के बीच में अवश्य नथी कीजिए।
- (8) रेखा मानचित्र बनाने के लिए साँचों अथवा स्टेंसिलों के प्रयोग की अनुमति दी जाती है।

1. ब्रह्मपुत्र नदी बाढ़ मार्ग परिवर्तन एवं तटीय अपरदन के लिए क्यों जानी जाती है। 1
2. नेहरू ट्राफी वलामकाली का आयोजन प्रति वर्ष कहाँ किया जाता है? 1
3. नंदा देवी जीवमंडल निचय किस राज्य में स्थित है? 1
4. कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार, भारत के किस क्षेत्र में (Amw) प्रकार की जलवायु पायी जाती है? 1
5. किन्हीं दो बाहरी ग्रहों के नाम लिखिए। $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$
6. भूगर्भ की जानकारी के दो अप्रत्यक्ष स्रोतों के नाम लिखिए। $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$
7. अरब सागर में बंगाल की खाड़ी की अपेक्षा 'लवंगता' अधिक पायी जाती है। कारण दीजिए। 1
8. प्राकृतिक कारकों के अतिरिक्त भूमण्डलीयतापन के लिए बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण तथा वायुमंडल में प्रदूषणकारी गैसों की वृद्धि जैसी मानवी क्रियाएँ महत्वपूर्ण उत्तरदायी कारक है। इन क्रियाओं का भूमण्डलीयतापन पर क्या प्रभाव है? $3 \times 1 = 3$

9. निम्न पदों को उनके उचित विवरण के साथ मिलाइए— $\frac{1}{2} \times 6 = 3$
- | अ | ब |
|-----------------|--------------------------|
| (i) कावेरी नदी | (a) महाबलेश्वर |
| (ii) गंगा नदी | (b) अमरकंटक पठार |
| (iii) चंबल नदी | (c) ब्रह्मगिरी पहाड़ियाँ |
| (iv) कृष्णा नदी | (d) मुलताई |
| (v) नर्मदा नदी | (e) पुष्कर |
| (vi) तापी नदी | (f) महु |
| | (g) गंगोत्री हिमनद |
10. महासागरीय धाराएँ क्या हैं? तापमान के आधार पर महासागरीय धाराओं का वर्गीकरण कीजिए। $1+2=3$
11. प्रादेशिक भूगोल का विकास किसने किया? प्रादेशिक उपागम की चार विशेषताओं का वर्णन कीजिए। $1+2=3$
12. निम्न पदों को उनके उचित विवरण के साथ मिलाइए— $\frac{1}{2} \times 6 = 3$
- | अ | ब |
|---------------------|---------------------------|
| (i) पवनें | (a) बहिर्जनिक प्रक्रियाएँ |
| (ii) हिमानी | (b) स्तंभ |
| (iii) प्रवाहित जल | (c) अंतर्जनिक प्रक्रियाएँ |
| (iv) तरंगे व धाराएँ | (d) बरखान |
| (v) भूमिगत जल | (e) स्पिट |
| (vi) पटल विरूपण | (f) हिमोढ़ |
| | (g) गोखुर झील |
13. स्थल तथा समुद्र समीर की विवेचना कीजिए। $1+2=3$
14. जैव विविधता ह्रास के मुख्य कारणों की विवेचना कीजिए। $5 \times 1 = 5$
15. सूर्यातप की तीव्रता की मात्रा में प्रतिदिन, हर मौसम और प्रतिवर्ष परिवर्तन होता रहता है। पृथ्वी की सतह पर सूर्यातप में होने वाली विभिन्नता के कारणों की विवेचना कीजिए। $5 \times 1 = 5$
16. उष्णकटिबंधीय आर्द्र जलवायु तथा उष्ण कटिबन्धीय आर्द्र एवं शुष्क जलवायु की मुख्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। $2\frac{1}{2} + 2\frac{1}{2} = 5$

17. उच्चावच, पर्वत श्रेणियों के सरेखण और दूसरी भू-आकृतियों के आधार पर हिमालय को अनेक उपखंडों में विभाजित किया गया है। उनके नाम लिखते हुए पूर्वी पहाड़ियों और पर्वत की मुख्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
2+3=5
18. मृदा अवकर्षण तथा मृदा अपरदन क्या होता है? मृदा अपरदन को कम करने के लिए अपनाये गए उपचार के तरीकों की व्याख्या कीजिए।
2+3=5
19. आपदा प्रबन्धन अधिनियम से आप क्या समझते हैं? आपका निवारण और प्रबन्धन की अवस्थाओं को स्पष्ट कीजिए।
2+3=5
20. भारत में मानसून वर्षा की किन्हीं पाँच विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
5×1=5
21. संसार के दिए गए रेखा मानचित्र में पाँच भौगोलिक लक्षण A, B, C, D और E के द्वारा दर्शाए गए हैं। इन लक्षणों को नीचे दी गई जानकारी की सहायता से पहचानिए और उकने सही नाम उनके निकट और खींची गई रेखाओं पर लिखिए—
5×1=5
- (1) एक महासागरीय जलधारा
 - (2) एक पारिस्थितिकी हॉट-स्पॉट
 - (3) एक देश
 - (4) एक महाद्वीप
 - (5) एक गर्म मरुस्थल

नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 21 के स्थान पर है।

- 21.1 मैक्सिको की खाड़ी में उत्पन्न होने वाली गर्म अटलांटिक महासागरीय धारा का नाम लिखिए।
- 21.2 अफ्रीका के एक परिस्थितकीय हॉट-स्पॉट का नाम लिखिए।
- 21.3 द0 अमेरिका के सबसे बड़े देश का नाम लिखिए।
- 21.4 उस देश का नाम लिखिए जो एक महाद्वीप भी है
- 21.5 भारत में स्थित गर्म मरुस्थल का नाम लिखिए।
22. भारत के लिए गए भौतिक मानचित्र में निम्नलिखित की स्थिति उपयुक्त चिन्हों से दिखाइए और उनके नाम लिखिए :

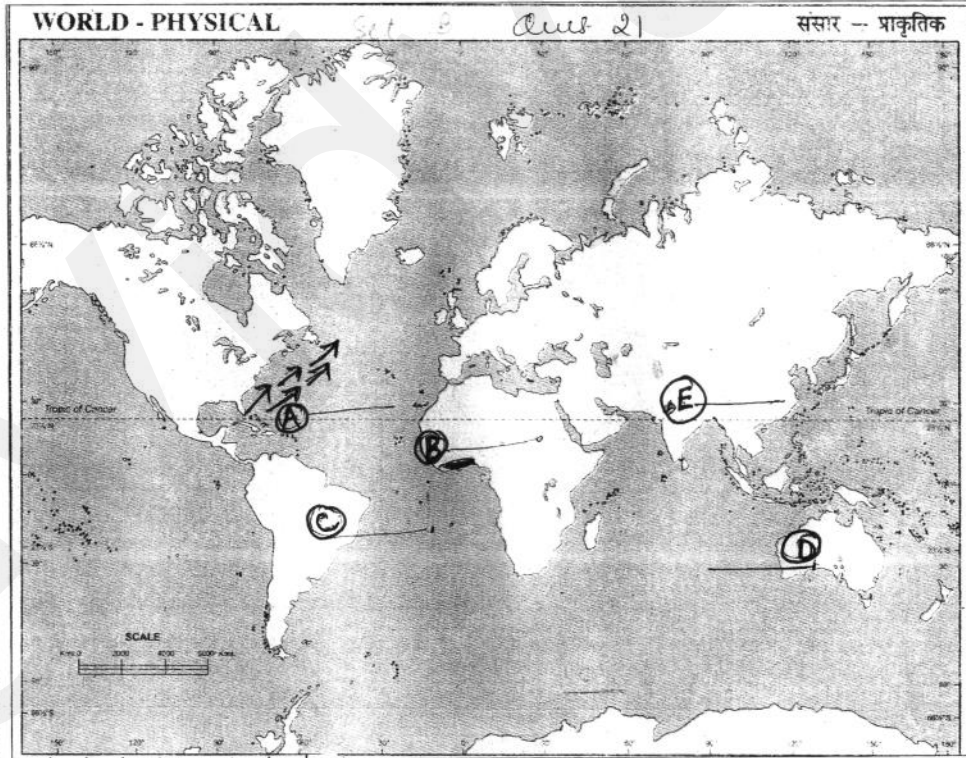
- (1) काली मृदा के क्षेत्र
- (2) अचन कमर अमरकंटक जीव निचय क्षेत्र
- (3) शुष्क ग्रीष्म ऋतु मानसून जलवायु प्रदेश (AS)
- (4) लक्षद्वीप और मिनीकॉय
- (5) मन्नार की खाड़ी

नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 22 के स्थान पर है।

5

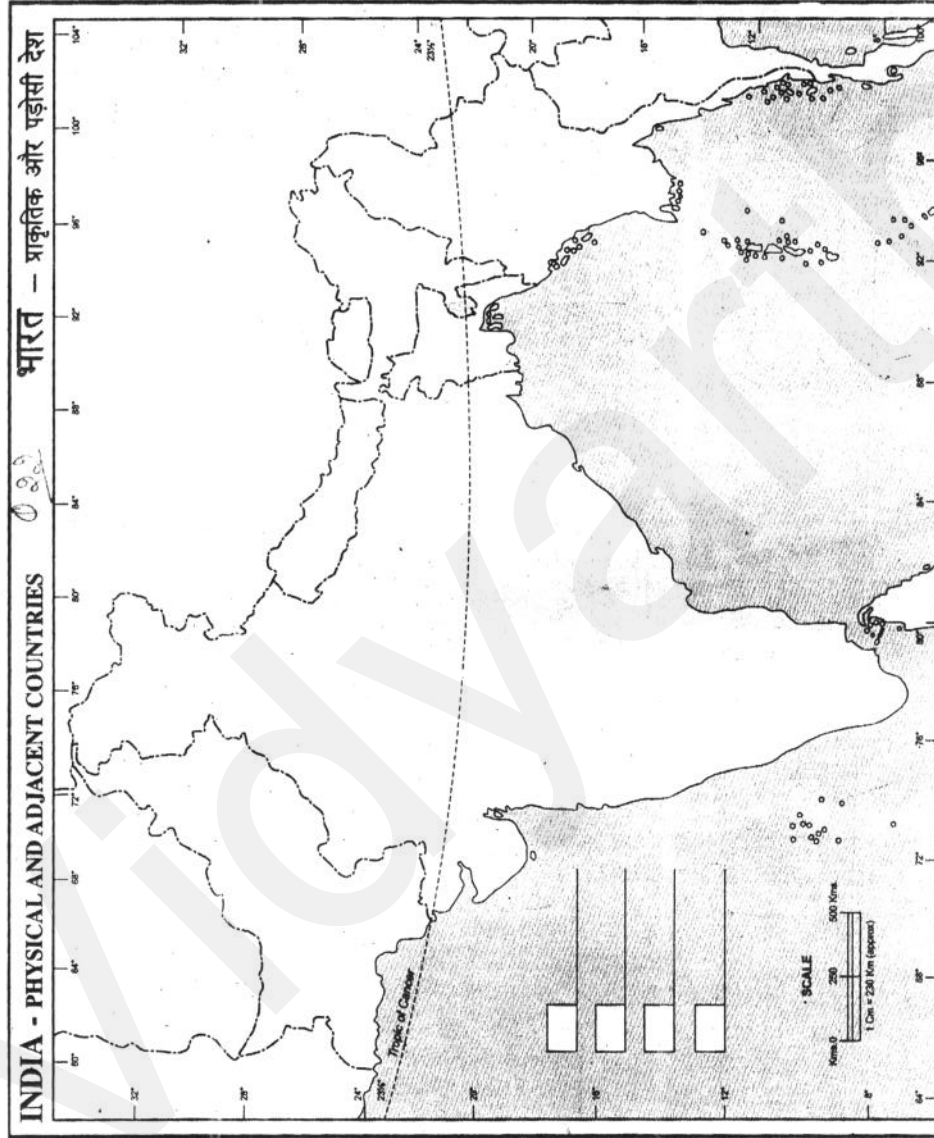
- 22.1 रेगुर मिट्टी के नाम से जानी जाने वाली मृदा का नाम लिखिए।
- 22.2 जीवमंडल निचय का नाम लिखिए जो मध्यप्रदेश तथा छत्तीसगढ़ का भाग है।
- 22.3 तमिलनाडु के कारोमंडल तट पर किस प्रकार की जलवायु पाई जाती हैं
- 22.4 लक्षद्वीप की राजधानी का नाम लिखिए।
- 22.5 भारत और श्रीलंका को कौन सी खाड़ी अलग करती है।

प्रश्न - 21



Q. No. 21

प्रश्न - 22



Q. No. 22

Marking Scheme
Common Annual School Examination, 2018
Subject : Geography Theory

Time : 3 Hrs.

Class : XI

M.M.: 70

1)	इसका अधिकतर सहायक नदियाँ बड़ी हैं और इनके जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण इनमें अवसाद बहकर आ जाता है। पृ. स. 27, पाठ पु - II		1
2)	"पुनामदा कयाल" (केरल) में। पृ. स. 18, पाठ पु. - II		1
3)	उत्तराखंड पृ. स. 68, पाठ पु. - II		1
4)	"AMW" प्रकार की जलवायु गोवा के दक्षिण में भारत के पश्चिमी तट पर। पृ. स. 57, पाठ पु. - II		
5)	बृहस्पति, शनि, यूरेनस, नेपच्यून (कोई दो) पृ. स. 16, पाठ पु. - II	½ + ½	1
6)	भूगर्भ की जानकारी के अप्रत्यक्ष स्रोत- (i) पृथ्वी के पदार्थों के गुणधर्म विश्लेषण द्वारा (ii) उतकार्ण (iii) गुरुत्वाकर्षण व चुंबकीय क्षेत्र (iv) भूकंप संबंधी क्रियाएँ (कोई दो) पृ. स. 22, पाठ पु. - I	½ + ½	1
7)	बंगाल की खाड़ी में गंगा नदी के जल के मिलने से लवणता कम तथा अरब सागर की लवणता उच्च वाष्पीकरण व ताजे जल की कम प्राप्ति के कारण अधिक है। पृ. स. 125, पाठ पु. - I		1
8)	मूल्यभूमण्डलीय उष्ण का प्रभाव- (i) हिमटोपियों एवं हिमानियों का पिघलना (ii) समुद्र तल में वृद्धि (iii) वर्षा के प्रतिरूपों में परिवर्तन तथा चक्रवातों में वृद्धि (iv) जैव विविधता में कमी कुछ जीवों तथा वनस्पतियों का लुप्त होना (v) विभिन्न प्रकार के रोगों का जन्म (कोई तीन)	3x1	3
9)	(अ) (ब) (i) कावेरी नदी - (c) ब्रह्मगिरि (ii) गंगा नदी - (g) गंगोत्री हिमनद (iii) चंबल नदी - (f) महु (iv) कृष्णा नदी - (a) महाबलेश्वर (v) नर्मदा नदी - (b) अमरकंटक पठार (vi) तापी नदी - (a) मुलताई	½x6	3
10)	(a) महासागरों में एक भाग से दूसरे भाग की ओर निश्चित मार्ग व दिशा में जल के नियमित प्रवाह जो नदी प्रवाह समान है, को महासागरीय धाराएँ कहते हैं। (b) तापमान के आधार महासागरीय धाराएँ: (i) गर्म जलधाराएँ:- गर्मजल को ठंडे जल क्षेत्रों में पहुँचाती हैं, प्रायः महाद्वीपों के पूर्वी तटों पर बहती हैं (दोनों गोलाद्धो के निम्न व मध्य अक्षांशीय क्षेत्रों में) उत्तरी गोलाद्ध में, ये जल धाराएँ उच्च अक्षांशीय क्षेत्रों में महाद्वीपों के पश्चिमी तट पर बहती हैं। (ii) ठंडी जलधाराएँ:- ठंडा जल, गर्म जलक्षेत्रों में लाती हैं, महाद्वीपों के (दोनों गोलाद्ध में निम्न व मध्य अक्षांशीय क्षेत्रों) पश्चिमी तट पर बहती हैं उत्तरी गोलाद्ध के उच्च अक्षांशीय क्षेत्रों में ये महाद्वीपों के पूर्वी तट पर बहती हैं। पृ. स. 130, 135 पाठ पु. - I	1+2	3
11)	(a) प्रादेशिक भूगोल उपागम प्रतिपादन कार्ल रिटर ने किया। (b) विशेषताएँ	1+2	3

- (i) विश्व को विभिन्न पदानुक्रमिक स्तर के प्रदेशों में बाँटा जाता है।
(ii) फिर विशेष प्रदेश में सभी भौगोलिक तथ्यों का अध्ययन किया जाता है।
(iii) प्रदेश प्राकृतिक, राजनीतिक या नामित हो सकते हैं।
(iv) प्रदेश में तथ्यों का अध्ययन समग्रता से विविधता में एकता की खोज करते हुये किया जाता है।
(अन्यसम्बन्धित बिन्दु)
पृ. स. 7, पाठ पु. - I
12. (अ) (ब)
(i) - d पवनें - बरखान ½x6 3
(ii) - f हिमानी - हिमोढ़
(iii) - g प्रवाहित जल - गोखुर झील
(iv) - e तरंगें व धाराएँ - स्पिट
(v) - b भूमिगत जल - स्तंभ
(vi) - c पटल विरूपण - अंतर्जनित प्रक्रियाएँ
13. समुद्र समीर :- उष्मा के अवशोषण तथा स्थानांतरण में स्थल व समुद्र में भिन्नता पायी जाती है। दिन के समय स्थल भाग समुद्र की अपेक्षा जल्दी गर्म हो जाते हैं, हवाएँ उपर उठती हैं, जिससे निम्न दाब क्षेत्र विकसित होता है। समुद्र अपेक्षाकृत ठंडे होने के कारण उन पर उच्च वायुदाब बना रहता है, इससे समुद्र से स्थल की ओर समुद्र समीर प्रवाहित होती है। 2+1 3
स्थलसमीर :- रात्रि में, समुद्रसमीर प्रक्रिया के विपरीत प्रक्रिया होती है। स्थल समुद्र की अपेक्षा जल्दी ठंडा होता है, दाब प्रवणता स्थल से समुद्र की ओर होने पर स्थल समीर प्रवाहित होती है।
पृ. स. 98, पाठ पु. - I
14. जैव विविधता ह्रास के कारण:- 5x1 5
(i) जनसंख्या वृद्धि
(ii) प्राकृतिक संसाधनों का अधिक उपभोग
(iii) अत्यधिक वनोन्मूलन
(iv) प्राकृतिक आपदाएँ
(v) कीटनाशक और अन्य प्रदूषक
(vi) वन्य जीवों का अवैध शिकार
(अन्य सम्बन्धित बिन्दु) (कोई पाँच) विस्तार करें-
15. सूर्यताप की विभिन्नता के कारण:- 5x1 5
(i) पृथ्वी का अपने अक्ष पर घूमना
(ii) सूर्य की किरणों का नति कोण
(iii) दिन की अवधि
(iv) वायुमंडल की पारश्रिता
(v) स्थल विन्यास
अन्य सम्बन्धित बिन्दु
पृ. स. 85, पाठ पु. - I
16. (a) उष्णकटिबन्धीय आर्द्र जलवायु:-
(i) यह विषुवत, वृत्त के निकट पायी जाती है। वर्ष भर, दोपहर के बाद गरज और बौछारों के प्रचुर मात्रा में वर्षा होती है।
(ii) तापमान समान रूप से ऊँचा, वार्षिक तापान्तर नगण्य होता है। अधिकतम तापमान लगभग 30°C व न्यूनतम तापमान लगभग 20°C होता है।
(iii) सघन वितान व व्यापक जैव-विविधता वाले उष्ण कटिबन्धीय सदाबहार वन पाये जाते हैं।
(b) उष्ण कटिबन्धीय आर्द्र एवं शुष्क जलवायु
(i) यह जलवायु, उष्ण कटिबन्धीय आर्द्र जलवायु प्रदेशों के उत्तर एवं दक्षिण में पायी जाती है
(ii) इसकी सीमा महाद्वीपों के पश्चिमी भाग में शुष्क जलवायु के साथ और पूर्वी भाग cf में cw तथा प्रकार की जलवायु के साथ पायी जाती है।
(iii) आर्द्र ऋतु छोटी और शुष्क ऋतु भीषण व लम्बी होती है। तापमान वर्ष भर ऊँचा रहता है, शुष्क ऋतु में दैनिक

तापांतर सर्वाधिक होते हैं, पर्णपाती वन और पेड़ों से ढकी धाम भूमियाँ पायी जाती हैं।

पृ. स. 109,110 पाठ पु. - I

हिमालय के उपखंड:-

2+3

- (i) कश्मीर या उत्तरी-पश्चिमी हिमालय
- (ii) हिमाचल और उत्तरांचल हिमालय
- (iii) दार्जिलिंग और सिक्किम हिमालय
- (iv) अरूणाचल हिमालय
- (v) पूर्वी पहाड़ियाँ और पर्वत

पूर्वी पहाड़ियों और पर्वत की विशेषताएँ

- (i) हिमालय पर्वत के इस भाग में पहाड़ियों की दिशा उत्तर से दक्षिण है।
- (ii) ये पहाड़ियाँ विभिन्न स्थानीय नामों से जानी जाती हैं उत्तर में पटकाई बूम, नागा पहाड़ियाँ, मणिपुर पहाड़ियाँ दक्षिण में मिज़ो या लुसाई पहाड़ियाँ।
- (iii) यह एक नीची पहाड़ियों का क्षेत्र है जहाँ अनेक जनजातियाँ झूम खेती करती हैं।
(अन्य सम्बन्धित बिन्दु)

पृ. स. 11 तथा 15, पाठ पु. - II

18. मृदा अवकर्षण - मृदा की उर्वरता के ह्रास को मृदा अवकर्षण कहते हैं जबकि- 1+4 5
मृदा अपरदन - मृदा के आवरण का विनाश मृदा अपरदन कहलाता है।
19. (क) आपदा प्रबन्धन अधिनियम :- इसके अनुसार आपदा किसी क्षेत्र में घटित एक महाविपत्ति, दुर्घटना, सकंट या गंभीर घटना है, जो प्राकृतिक या मानवकृत कारणों या दुर्घटना या लापरवाही का परिणाम हो और जिससे बड़े स्तर पर जान की क्षति या मानव पीड़ा, पर्यावरण की हानि एवं विनाश हो और जिसकी प्रकृति या परिणाम प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले समुदाय की सहन क्षमता से परे हो।
- (ख) आपदा निवारण व प्रबन्धन की अवस्थाने:-
- (i) आपदा से पहले :- आपदा के बारे में आँकड़े व सूचना एकत्र करना, आपदा संभावी क्षेत्रों का मानचित्र तैयार करना, लोगों को इसके बारे में जानकारी देना, आपदा योजना बनाना, तैयारियाँ रखना बचाव का उपाय करना।
 - (ii) आपदा के समय:- युद्धस्तर पर बचाव व राहत कार्य-आपदाग्रस्त क्षेत्रों से लोगों को निकालना, आश्रयस्थल निर्माण, राहत कैंप, जल, भोजन व दवाई आपूर्ति।
 - (iii) आपदा के पश्चात्:- प्रभावित लोगों का बचाव व पुनर्वास, भविष्य में आपदाओं से निपटने के लिए क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना।
20. मानसून वर्षा की विशेषताएँ:- 5x1 5
- (i) दक्षिणी-पश्चिमी मानसून से प्राप्त होने वाली वर्षा मौसमी है, जो जून से सितंबर के दौरान होती है।
 - (ii) मानसून वर्षा उच्चावच अथवा भू आकृति द्वारा नियंत्रित होती है।
 - (iii) समुद्र से बढ़ती दूरी के साथ मानसून वर्षा में घटने की प्रवृत्ति पाई जाती है।
 - (iv) मानसून वर्षा का स्थानिक वितरण असमान है।
 - (v) कई बार पूरे देश में या इसके एक भाग में वर्षा का आरंभ काफी देर से होता है।
अन्य सम्बन्धित बिन्दु
- पृ. स. 51, पाठ पु. - II
21. विश्व मानचित्र सलंगन है। (दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए) 5x1 5
- (i) गल्फ स्ट्रीम
 - (ii) ऊपरी गिनी वन/पूर्वी चाप पर्वत तन्जानिया
 - (iii) ब्राजील
 - (iv) आस्ट्रेलिया
 - (v) थार मरूस्थल
22. भारत का मानचित्र सलंगन है। 5x1 5
22. (दृष्टि बाधित विद्यार्थियों के लिए) 5x1 5
- 22.1 काली मृदा
- 22.2 अचनकम अमरकंटक
- 22.3 AS प्रकार की जलवायु

- 22.4 कवरती
- 22.5 मन्नार की खाड़ी

